पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने जनपद चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित 800 परिवारों को राहत सामग्री वितरित की

बाढ़ में आश्रयहीन हुए परिवारों को आवास हेतु भूमि आवंटन प्रमाण व आपदा मोचक निधि से राहत राशि प्रदान की

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण तथा रामघाट एवं उसके आस–पास के क्षेत्रों में आपदा से हुई क्षति का निरीक्षण किया

डबल इंजन सरकार संकट की घड़ी में बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ : मुख्यमंत्री

बाढ़ से पूर्ण क्षतिग्रस्त मकानों के लिए तत्काल आवास एवं भूमि पट्टा उपलब्ध कराने के निर्देश

बाढ़ प्रभावित परिवारों को लगभग 50 किलोग्राम की राहत सामग्री किट में 26 आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जा रही

सांप एवं जंगली जानवरों के काटने पर तत्काल निःशुल्क एण्टी स्नेक वेनम और एण्टी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध कराने के निर्देश

डूबने, आकाशीय बिजली अथवा वन्यजीव संघर्ष में जनहानि होने पर 24 घण्टे के भीतर 04 लाख की सहायता उपलब्ध करायी जाए

बाढ़ से फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कराने के निर्देश, सर्वे के आधार पर किसानों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराई जाएगी

सड़क, घाट, बिजली के पोल एवं तारों को हुए नुकसान का सर्वे कराकर तत्काल राहत एवं पुनर्निर्माण कार्य किया जाए

नदी के कैचमेंट एरिया में निर्माण कार्य किए जाने पर उसके दायरे में आने वाला अतिक्रमण अथवा निर्माण बह सकता, कैचमेंट एरिया में किसी भी प्रकार के ऐसे निर्माण से बचना होगा

लखनऊ : 06 सितम्बर, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में चित्रकूट के लोग अकेले नहीं हैं। डबल इंजन सरकार पूरी मजबूती के साथ बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। सामान्य परिवार, किसान, व्यापारी, महिला, युवा अथवा साधु–सन्तगण, बाढ़ से जिसका भी नुकसान हुआ है, प्रदेश सरकार उसे हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराएगी। हजारों वर्षों से ऋषि–मुनियों की पवित्र साधना स्थली रही चित्रकूट की धरती पर आज बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री लेकर आना सेवा और दायित्व का अवसर है।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित 800 परिवारों को राहत सामग्री वितरित करने के पश्चात अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने बाढ़

में आश्रयहीन हुए परिवारों को आवास हेतु भूमि आवंटन प्रमाण पत्र प्रदान किए तथा आपदा मोचक निधि से राहत राशि का वितरण किया। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण तथा रामघाट एवं उसके आस–पास के क्षेत्रों में आपदा से हुई क्षति का निरीक्षण किया। इसके पश्चात, मुख्यमंत्री जी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संचालित राहत एवं बचाव कार्य की समीक्षा की तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जिस दिन चित्रकूट में अचानक भारी मात्रा में पानी आया, उस दिन वह बलिया के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर थे। चित्रकूट की स्थिति की जानकारी मिलते ही उन्होंने लखनऊ में डी0जी0पी0 को निर्देश देकर एस0डी0आर0एफ0 और पी0ए0सी0 की अतिरिक्त कम्पनियां चित्रकूट रवाना कराई गईं। जब पानी आया था, उस समय चित्रकूट में एस0डी0आर0एफ0 की एक कम्पनी मौजूद थी। अगले दो–तीन घण्टे में एस0डी0आर0एफ0, एन0डी0आर0एफ0 और पी0ए0सी0 की फ्लड यूनिट की कुल आठ कम्पनियां चित्रकूट पहुंच गईं और युद्ध स्तर पर बचाव एवं राहत कार्यों में जुट गईं। उन्होंने कहा कि उसी दिन उनके द्वारा रात सात बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला प्रशासन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की गयी। घरों में फंसे लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए। कई परिवार घर छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे और घरों की छतों पर मौजूद थे, लेकिन ऐसी स्थिति में वहां रहना खतरे से खाली नहीं था।

पहली बार मंदाकिनी नदी में इतने बड़े पैमाने पर जल आया है। विगत वर्ष जहां लगभग 360 मिलीमीटर वर्षा हुई थी, वहीं इस बार एक ही दिन में 660 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई। मध्य प्रदेश से भारी मात्रा में पानी आने के कारण यहां चार–चार मंजिल तक पानी पहुंच गया। दुकानों, मकानों, खेतों, मन्दिरों और घाटों को नुकसान पहुंचा है। मध्य प्रदेश की ओर भारी वाहनों के आवागमन के लिए बना पक्का पुल भी बह गया। जब इतना मजबूत पक्का पुल भी बाढ़ के पानी में बह गया तो सामान्य मकानों और अन्य संरचनाओं की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। इससे आपदा की विकरालता को समझा जा सकता है।

बैठक में इस विषय पर भी गम्भीरता से विचार किया जाएगा। नदी के कैचमेंट एरिया में निर्माण कार्य किए जाने पर नदी जब अपने स्वाभाविक स्वरूप में आती है, तो उसके दायरे में आने वाला अतिक्रमण अथवा निर्माण बह सकता है। कैचमेंट एरिया में किसी भी प्रकार के ऐसे निर्माण से बचना होगा और नदी के स्वाभाविक प्रवाह के लिए पर्याप्त रास्ता देना होगा। नदी हमेशा एक जैसी नहीं होती। गर्मी और सर्दी में जलस्तर कम रहता है, लेकिन बरसात में व्यापक वर्षा होने पर यदि जल निकासी का मार्ग सीमित होगा तो जलस्तर बढ़ेगा और व्यापक जनधन की हानि हो सकती है।

इतनी बड़ी मात्रा में पानी आने के बावजूद मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, कामदगिरि, हनुमान जी की कृपा और यहां के ऋषि–मुनियों की तपस्या के परिणामस्वरूप कोई जनहानि नहीं हुई। इसके बावजूद सभी लोगों का सुरक्षित रहना भगवान के प्रति कृतज्ञता का विषय है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उन्होंने पहले ही निर्देश दिए हैं कि यदि बाढ़ अथवा अग्निकाण्ड में किसी गरीब का पूरा घर नष्ट हो जाता है और वह प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए पात्र है, तो उसे योजना के अन्तर्गत आवास उपलब्ध कराया जाए। यदि परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र नहीं है, तो उसे मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत नया आवास उपलब्ध कराया जाए और भूमि का पट्टा भी तत्काल दिया जाए। मंच पर कुछ लाभार्थियों को इसका प्रमाण पत्र भी दिया गया है। प्रशासन को निर्देश है कि ऐसे मामलों में किसी प्रकार की प्रतीक्षा किए बिना तत्काल कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जहां जलजमाव हुआ है अथवा लोग पानी से घिर गए हैं, उन्हें सुरक्षित राहत शिविरों में पहुंचाया जाए। राहत शिविरों में प्रभावित परिवारों के लिए भोजन, सुरक्षा, चिकित्सा और अन्य सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। चित्रकूट ने पहले भी बाढ़ की त्रासदी झेली है। वर्ष 2017 से पहले बाढ़ आने पर तत्कालीन सरकार इसका संज्ञान तक नहीं लेती थी। राहत के नाम पर आने वाला पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था और गरीब, कमजोर एवं वंचित परिवारों को कुछ नहीं मिलता था।

वर्ष 2017 से पूर्व, बाढ़ प्रभावित परिवारों को केवल सूखी ब्रेड दी जाती थी। वर्ष 2017 में प्रदेश सरकार ने तय किया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को समुचित राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। अब बाढ़ प्रभावित परिवारों को 10 किलो चावल, 10 किलो आटा, 10 किलो आलू, 02 किलो अरहर की दाल, 01 किलो चना, 01 किलो लाई, 01 लीटर रिफाइंड अथवा सरसों का तेल तथा मिर्च, मसाला, धनिया, हल्दी आदि आवश्यक सामग्री दी जा रही है। इसके साथ डिग्निटी किट में बाल्टी, मग, ढक्कनयुक्त बाल्टी, बरसाती आदि आवश्यक वस्तुएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। लगभग 26 प्रकार की आवश्यक वस्तुएं राहत सामग्री के रूप में दी जा रही हैं, जिनकी कुल मात्रा लगभग 50 किलोग्राम है।

बाढ़ के मौसम में जलभराव के कारण सांप, बिच्छू, जंगली जानवर आदि बाहर आ जाते हैं। ऐसे में सांप काटने अथवा कुत्ते या जंगली जानवर के काटने की घटनाएं बढ़ सकती हैं। प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और जिला चिकित्सालय में एण्टी स्नेक वेनम तथा एण्टी रेबीज वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे। किसी भी व्यक्ति को वैक्सीन के लिए इन्तजार न करना पड़े। सांप, कुत्ते अथवा जंगली जानवर के काटने पर तत्काल निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय रहते व्यक्ति का जीवन बचाया जा सके। इसके अतिरिक्त, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक दवाओं एवं अन्य चिकित्सा सुविधाओं की भी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

दुर्भाग्यवश यदि किसी व्यक्ति की डूबने अथवा आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु होती है या मनुष्य एवं वन्यजीव संघर्ष में किसी व्यक्ति की जनहानि होती है तो सम्बन्धित परिवार को आपदा राहत से 24 घण्टे के भीतर 04 लाख की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। सरकार गरीबों के साथ खड़ी है। संकट की प्रत्येक घड़ी में प्रभावित परिवारों की सहायता की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाढ़ से फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कराने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। सर्वे के आधार पर जिन किसानों की फसलें नष्ट हुई हैं, उन्हें नियमानुसार राहत उपलब्ध कराई जाएगी। बाढ़ से जो सड़कें टूट गई हैं, घाट क्षतिग्रस्त हुए हैं तथा बिजली के तार एवं पोल टूटे हैं, उनके पुनर्निर्माण एवं मरम्मत के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। सरकार आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराकर इन सभी क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों को शीघ्र पुनः व्यवस्थित करने का कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाढ़ से केवल गरीब परिवार ही नहीं, बल्कि व्यापारी, मठ–मन्दिर, घाट और अन्य संस्थानों को भी जो नुकसान हुआ है, सरकार उसकी भरपाई एवं सहायता के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगी। प्रभावितों की श्रेणी देखकर नहीं, बल्कि नुकसान को देखते हुए संवेदनशीलता के साथ सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि चित्रकूट की धरती ने वनवास के समय प्रभु श्रीराम को आश्रय दिया था। जब भगवान श्रीराम संकट में थे, तब चित्रकूट उनके साथ खड़ा रहा। आज जब चित्रकूटवासी आज संकट में हैं, तो प्रभु श्रीराम के भक्त होने के नाते उनके बीच आकर उनके साथ खड़ा होना उनका दायित्व है। विगत समय चित्रकूट को लगभग 1,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उपहार दिया गया था। आज चित्रकूट संकट में है, इसलिए वह विकास योजनाओं के बजाय सबसे पहले संकट में फंसे परिवारों के साथ खड़े होने के लिए यहां आए हैं।

आपदा के कारण विकास की गति बाधित नहीं होने दी जाएगी। सरकार राहत और पुनर्निर्माण दोनों कार्यों को साथ लेकर आगे बढ़ेगी। सभी प्रभावित परिवार धैर्य बनाए रखें, प्रदेश सरकार उनके साथ है। हर सम्भव सहयोग के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। प्रदेश सरकार केवल राहत सामग्री वितरित करने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि राहत, पुनर्वास, फसल क्षति, मकान क्षति, सड़क, घाट, बिजली व्यवस्था तथा अन्य क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों के पुनर्निर्माण के लिए भी आवश्यक कदम उठाएगी।

इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', विधायक श्री अविनाश चन्द्र द्विवेदी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————

PN-Chitrakoot Visit-Flood Area Survey and Relief Distribution-06 September, 2026